

পুরুষ	:	বিদেশী অতিথি সিঙ্গুপারে পথহারা ফিরি দ্বারে দ্বারে
স্ত্রী	:	বাইরে হিম বারে রিম্ বিম্ বিম্ বন্ধ এসো এ পারে ॥
পুরুষ	:	তোমারে বুঝিনা বুঝি না আধেক
স্ত্রী	:	নয়নের ভাষা বঁধু সব দেশে এক
পুরুষ	:	তুমি উষা লঁয়ে তুষার কর খেলা ভোরবেলা
স্ত্রী	:	পূবের তপন সম, রাঙ্গাও জীবন যম তোমার কিরণ ধারে ॥
পুরুষ	:	তব কষ্টে সুর শুনি হায় সকরণ শৃঙ্খি জাগায়
স্ত্রী	:	বিদেশী চেরী কুসুমের মালিকা লহ গলায়
উভয়ে	:	চল যাই যেখা নাই দেশের বন্ধন নাহি গো ক্রন্দন বিশ্বদেশের পথে প্রেম অভিসারে ॥

জে.এন.জি. ৭১ | শিল্পী : জ্ঞান দত্ত ও শ্রীমতী পার্কল | দৈত গীতি | তাল ফেরতা

পুরুষ : II{ সা - া পা মা | পা - া দা পা | মা - া পা দ্বা | পা - া - া |
বি ০ দে শী অ ০ তি থি সি ন্ ধু পা রে ০ ০ ০

I জ্ঞা - া মা মা | মা - া মা পা | জ্ঞা - া মা পা | সা - া - া }I
প ০ থ হা রা ০ ফি রি দ্বা ০ রে দ্বা রে ০ ০ ০

স্ত্রী : I{ গা - া গা দা | পা - মা জ্ঞা মা | -সা - া -সা - া | -সা - া - া |
বা ০ ই রে হি ম্ ঘ রে রিম্ ০ বিম্ ০ বিম্ ০ ০ ০

I -মা -না জ্ঞা | সা সা খা শ্লা | সা -না -না | -না -না -না }II
বন্ধু ০ ০ ০ থ এ সো এ পা রে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

পুরুষ : II{ পা ধা গা -না | পা ধা গা -না | পা ধা গা সী | শ্পা -না -না |
তো মা রে ০ বু ঝি না ০ বু ঝি না আ ধে ০ ০ ক্

স্ত্রী : I দা দা দা -না | দা দা দা দা | পা -ক্ষা পা গা | পা -না -না }I
ন য নে র ভা ষ বু ঝি স ব দে শে এ ০ ০ ক্

তা঳ : দাদুরা

পুরুষ : সা সা III{ জ্ঞা -না জ্ঞা | -না সা সা | পা -না পা | -না পক্ষা পা |
ত মি উ ০ ষা ০ ল' রে তু ০ ষা র কু র

[-t -t]
o o
I দা -দা | -না পা দা | সী -না সী | -না (সা সা) }I
খে ০ লা ০ ভো র বে ০ লা ০ তু মি

স্ত্রী : II{ সী সী -না গা | দা পা মা পা | গা গা গা দা | পা মা জ্ঞা মা |
পু বে র ষ্ট প ন স ষ রা ষ্ঞ ও জী ব ন ম ম

[সী সী]
ত ব
I দা -না পা মা | জ্ঞা জ্ঞা মা পা | সা -না -না | -না (-না -না) }I
তো ০ মা র কি র ণ ধা রে ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০ ০

পুরুষ : II{ সী -র্ণি সৰ্ণি -জ্ঞি | -না -না -না | জ্ঞি -র্ণি সী গা | পা -না -না |
ক ন ঠঠো ০ ০ ০ ০ ০ সু র ষ নি হা ০ ০ য

[ନ୍ତା]

○ ○

I ଝା ଝା ଝା ଝା ଝା -ା ସା ନା I ସା -ା -ା -ା | -ା -ା (ସା ସା) }I
ସ କ କୁ ଣ ଶ୍ରୀ ୦ ତି ଜା ଗ ୦ ୦ ୦ ୦ ଯୁ ତ ବ

ଶ୍ରୀ: I { ଗା ମା ପା -ା | ପା ପା ମା ପା I ଦା -ା -ା -ା | ଝା ଝା ସା -ା I
ବି ଦେ ଶୀ ୦ ଚେ ଝୀ କୁ ସୁ ଯେ ୦ ୦ ର ମା ଲି କା ୦

I କ୍ଷା -ା -ା ମା | ମା -ଗା ମା -ା }I ଦୈତ୍ୟ: {ରା ଜ୍ଞା ମା ମା | ଜ୍ଞା ମା ପା ପା I
ଲ ୦ ୦ ହ ଗ ୦ ଲା ଯୁ ଚ ଲ ଯା ଇ ଯେ ଥା ନା ଇ

I ପା ଦା ପା ମା | ପା -ଦା ଦା ସା I -ା -ା -ା -ା | -ା -ା -ା -ା I
ଦେ ୦ ଶେ ର ବ ନ୍ତ ଧ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ନ୍ତ

I ସା ସା ଗା -ା | ଦା -ା ପା -ା I ପା ପା -ା ଦା | ପା -ମା ଜ୍ଞା ମା I
ନା ହି ତା ର କ୍ର ନ୍ତ ଦ ନ୍ତ ନି କୁ ୦ ଦେ ଶେ ର ପ ଥେ

I ଦା -ା ପା ମା | ଜ୍ଞା ମା ସା -ା I -ା -ା -ା -ା | -ା -ା -ା -ା }II II
ଫ୍ରେ ୦ ମ ଅ ଭି ସା ରେ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦ ୦